भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 341 | बिजौलिया - गुरुवार, 25 जून ,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

जयपुर सचिवालय में कड़े सुरक्षा नियमः फोटो-वीडियो पर पूर्ण प्रतिबंध, आमजन की एंट्री सीमित

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

राज्य सरकार ने सचिवालय परिसर में सुरक्षा और गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए आम लोगों की एंट्री, फोटो और वीडियो बनाने पर सख्त पाबंदियां लागू कर दी हैं। कार्मिक विभाग की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार सचिवालय को नो-फोटोग्राफी जोन घोषित किया गया है और नियमों के उल्लंघन पर केस दर्ज करने की चेतावनी दी गई है। इन आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्मिक विभाग की सचिव अर्चना सिंह द्वारा जारी सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि सचिवालय परिसर में बिना अनुमति किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी करना दंडनीय अपराध होगा। सुरक्षा कारणों से परिसर को अत्यधिक संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

सर्कुलर के अनुसार सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा आम लोगों की सचिवालय में एंट्री सुबह 9:30 बजे से पहले और शाम 6 बजे के बाद प्रतिबंधित रहेगी। अस्थायी पासधारकों

को भी छुट्टी के दिन प्रवेश नहीं मिलेगा। यदि किसी को छुट्टी के दिन प्रवेश की आवश्यकता हो तो संबंधित विभाग या अधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सुरक्षा कर्मियों को विभाग से फोन या लिखित सिफारिश मिलने पर ही प्रवेश दिया जाएगा।

कार्मिक विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि ऑफिस टाइम से पहले और बाद में तथा छुट्टी के दिनों में अस्थायी पासधारकों की आवाजाही से सरकारी कामकाज में बाधा उत्पन्न होने की संभावना रहती है। साथ ही सुरक्षा और गोपनीयता के लिहाज से भी यह आवश्यक कदम बताया गया है। सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सचिवालय परिसर में सुरक्षा अधिकारी द्वारा जारी आईडी कार्ड पहनना अनिवार्य किया गया है। बिना पास के बाहरी व्यक्तियों और वाहनों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। सुरक्षाकर्मियों को किसी भी व्यक्ति या वाहन की तलाशी लेने का अधिकार दिया गया है।

आदेशों के उल्लंघन पर संबंधित सेवा नियमों, सुरक्षा नियमों और भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षाकर्मियों को इन नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि इन पाबंदियों से दूर-दराज से आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि कई विभागों में देर शाम तक काम होता है और मंत्रियों से मिलने आने वालों की संख्या भी अधिक रहती है।

गौरतलब है कि पूर्व में भी वसुंधरा राजे सरकार के दौरान सचिवालय में कैमरे ले जाने पर मौखिक पाबंदी लगाई गई थी, जिसे बाद में ढील दे दी गई थी। अब सरकार ने औपचारिक सर्कुलर जारी कर इन नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है।

यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है जब 19 जून से तबादलों पर लगी रोक हटने के बाद सचिवालय में लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। इसको लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। वहीं, सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि ये नियम पहले से लागू थे, अब केवल उनकी सख्ती से पालना सुनिश्चित की जा रही है।

कर्ज और आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसान ने खाया जहर, उपचार के दौरान मौत

भीलवाड़ा फोकस @ बेगूं।

आर्थिक तंगी और कर्ज के बोझ से परेशान एक किसान ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। गंभीर हालत में उसे पहले बेगूं उप जिला अस्पताल और बाद में चित्तौड़गढ़ जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार बेगूं क्षेत्र के हरिपुरा गांव निवासी 45 वर्षीय सुरेश भारती ने बुधवार सुबह जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया। जहर खाने के बाद वह घर से पैदल निकल गया और करीब दो किलोमीटर दूर खुरा बाजार के पास अचेत होकर गिर पड़ा। राहगीरों की सूचना पर उसे बेगूं उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर चित्तौड़गढ़ रेफर किया गया। उपचार के दौरान शाम को उसकी मौत हो गई।

थानाधिकारी कमल चंद मीणा ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुरेश लंबे समय से आर्थिक संकट और कर्ज की परेशानी से गुजर रहा था। परिजनों के अनुसार सुरेश पिछले करीब दो वर्षों से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे।

परिवार पर पहले से ही विपत्तियों का दौर रहा है, क्योंकि उनके बड़े भाई और पिता का पहले ही निधन हो चुका था। सुरेश कृषि कार्य कर परिवार का पालन-पोषण करते थे और एक पुत्र के पिता थे।

पुलिस ने बताया कि मौत से पहले दिए गए बयान में सुरेश ने कर्ज और आर्थिक परेशानी का जिक्र किया था। उन्होंने यह भी बताया कि खेत बेचने के बावजूद उन्हें उसकी पूरी बकाया राशि प्राप्त नहीं हुई थी, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई थी।

पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है तथा आत्महत्या के कारणों का विस्तृत सत्यापन किया जा रहा है।

युवक का अपहरण कर 5 लाख की फिरौती मांगने वाले तीन हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

दिल्ली से लौट रहे युवक को बनाया बंधक, मारपीट कर परिवार से मांगी फिरौती

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनीत चपलोत। जिले में अपहरण, मारपीट और फिरौती मांगने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन हिस्ट्रीशीटर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दिल्ली से लौट रहे एक युवक का अपहरण कर उसे कई घंटों तक बंधक बनाकर रखा गया, उसके साथ मारपीट की गई और परिजनों से 5 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई। मामले में गुलाबपुरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पैदल मौका तस्दीक कराते हुए आमजन में सुरक्षा का संदेश दिया। इस दौरान भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि भीलवाड़ा में रंगदारी, अपहरण और गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हिस्ट्रीशीटर आरोपियों को किया गिरफ्तार

सीओ सिटी सज्जन सिंह ने बताया कि गुलाबपुरा थाने में दर्ज प्रकरण में पुलिस ने सिकंदर उर्फ लौटरी, समीर पठान और काला नामक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी विभिन्न थाना क्षेत्रों के हिस्ट्रीशीटर हैं। वर्तमान में अनुसंधान अधिकारी द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा घटना स्थल पर मौका तस्दीक करवाई गई।

उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। किसी भी व्यक्ति द्वारा भय का माहौल बनाने या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया गया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आई-20 कार में डालकर किया अपहरण

गुलाबपुरा थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि 18 जून को वसीम नामक युवक का अपहरण किया गया था। वारदात में कोतवाली थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर सिकंदर उर्फ लौटरी, गांधीनगर थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर समीर पठान तथा काला नामक आरोपी शामिल थे।

आरोपियों ने देर रात करीब 12 बजे वसीम को आई-20 कार में जबरन बैठाकर अपहरण कर लिया और उसे गंगापुर क्षेत्र में ले गए। वहां उसके साथ गंभीर मारपीट की गई तथा पैसों की मांग की गई। आरोप है कि पीड़ित के परिजनों से 5 लाख रुपये की फिरौती भी मांगी गई।

विशेष टीम ने दबोचे आरोपी

पीड़ित की रिपोर्ट पर गुलाबपुरा थाने में एफआईआर संख्या 202 दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को उन्हें भीलवाड़ा लाकर घटना से जुड़े विभिन्न स्थानों की मौका तस्दीक करवाई गई।

पुलिस की चेतावनी

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में अपराध करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कानून हाथ में लेने वाले, रंगदारी मांगने वाले और आमजन में भय पैदा करने वाले असामाजिक तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

नए कॉलेज भवन के पास पेड़ पर मिला युवक का शव, हाईवे पर जुटी भीड़

भीलवाड़ा फोकस @ आसिंद ।

नेशनल हाईवे-158 पर बुधवार सुबह उस समय लोगों की भीड़ जुट गई, जब नए कॉलेज भवन के निकट एक युवक का शव पेड़ से लटका दिखाई दिया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया।

पुलिस जांच में मृतक की पहचान मुकेश पुत्र बाबू सिंह रावत निवासी बघाना, थाना दिवेर, हाल निवासी चोटियास के रूप में हुई। शव को पोस्टमार्टम के लिए बदनोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मॉर्चुयरी में रखवाया गया।

पुलिस ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि हाईवे किनारे एक व्यक्ति पेड़ से लटका हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ ही परिजनों को भी सूचना दी गई।

जानकारी के अनुसार मुकेश ट्रक चालक था। करीब छह माह पहले उसने प्रेम विवाह किया था। वह पिछले कई वर्षों से अपने ननिहाल बघाना में रह रहा था। घटना के कारणों को लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके सुपुर्द कर दिया है।

चोरी का विरोध करना पड़ा भारीः 80 वर्षीय बुजुर्ग पर धारदार हथियार से हमला, ढीकोला में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

रातभर चोरों की तलाश करते रहे ग्रामीण, सुबह पुलिस चौकी पर प्रदर्शन, बढ़ती चोरियों, नशे के कारोबार और पुलिस की निष्क्रियता पर उठे सवाल, दो दिन का अल्टीमेटम

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा ।

मूलचंद पेसवानी । थाना क्षेत्र के उपतहसील मुख्यालय ढीकोला में मंगलवार देर रात हुई चोरी की वारदात और एक 80 वर्षीय बुजुर्ग पर हुए जानलेवा हमले ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। बुधवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के लोग पुलिस चौकी पहुंचे और कानून-व्यवस्था को लेकर विरोध दर्ज कराया।

जानकारी के अनुसार ढीकोला निवासी 80 वर्षीय रामपाल चेचाणी के घर देर रात अज्ञात बदमाश चोरी की नीयत से घुस गए। इसी दौरान घर में आहट होने पर रामपाल चेचाणी की नींद खुल गई। उन्होंने शोर मचाना शुरू किया तो बदमाशों ने कथित रूप से धारदार हथियार से उनके सिर पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद बुजुर्ग की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों ने पूरी रात आसपास के खेतों और इलाकों में चोरों की तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।

पुलिस चौकी पर नहीं मिला स्टाफ, बढ़ा आक्रोश

बुधवार सुबह ग्रामीण और जनप्रतिनिधि पहले घायल बुजुर्ग के घर पहुंचे और उसके बाद ढीकोला पुलिस चौकी पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप था कि सूचना देने के बावजूद पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंची। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने दावा किया कि चौकी पर भी पर्याप्त पुलिस स्टाफ मौजूद नहीं मिला, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई।

ग्रामीणों का कहना है कि ढीकोला जैसी बड़ी आबादी वाले क्षेत्र में लंबे समय से नियमित गश्त की व्यवस्था नहीं है। चौकी पर तैनात स्टाफ को अन्य कार्यों में लगा दिया जाता है, जिसके कारण चौकी अक्सर खाली रहती है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

दो वर्षों में करीब 50 चोरी की घटनाओं का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पिछले करीब दो वर्षों में क्षेत्र में लगभग 50 चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में आरोपियों का खुलासा नहीं हो पाया है। इससे लोगों का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास कमजोर हो रहा है।

ग्रामीणों ने हाल ही में हुई बाइक चोरी की घटना का भी उल्लेख किया। उनका कहना है कि तीन दिन पहले ओमप्रकाश वैष्णव की बाइक चोरी हुई थी, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध है। फुटेज और तस्वीरें पुलिस को सौंपने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

जनप्रतिनिधियों ने उठाए सवाल

पूर्व सरपंच गणपत खटीक ने कहा कि ढीकोला क्षेत्र में लंबे समय से चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही हैं, लेकिन कार्रवाई का अभाव अपराधियों के हौसले बढ़ा रहा है।

कांग्रेस मंडल अध्यक्ष मनीष नायक ने आरोप लगाया कि चौकी का अधिकांश स्टाफ अन्य जगहों पर लगा होने से क्षेत्र की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि अपराध और नशे की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता है।

वहीं भाजपा विधानसभा संयोजक सुरेश भाट ने कहा कि चोरी की ताजा घटना ने ग्रामीणों को भयभीत कर दिया है। उन्होंने क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की।

नशे के बढ़ते कारोबार पर भी चिंता

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब, गांजा और अन्य नशीले पदार्थों का कारोबार बढ़ने से अपराधों में वृद्धि हो रही है। उनका आरोप है कि नशे की गिरफ्त में आए कुछ असामाजिक तत्व चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं।

एसपी से की बात, दिया दो दिन का अल्टीमेटम

घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक सागर राणा से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हालांकि ग्रामीण अब केवल आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने प्रशासन को दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं हुआ, गश्त व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और पुलिस चौकी को सक्रिय नहीं किया गया तो धरना, प्रदर्शन और सड़क जाम जैसे आंदोलन किए जाएंगे।।

69-ए के तहत पट्टे देने की मांग तेज, नगर निगम पर कच्ची बस्तीवासियों का प्रदर्शन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

शहर की विभिन्न कच्ची बस्तियों के निवासियों ने बुधवार को भीलवाड़ा कच्ची बस्ती विकास मंच के नेतृत्व में नगर निगम कार्यालय पहुंचकर पट्टों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021-22 के दौरान दिए गए आवेदनों पर आज तक कार्रवाई नहीं हुई है, जिसके कारण हजारों गरीब परिवार अपने मकानों के पट्टों से वंचित हैं।

मंच के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कच्ची बस्तीवासी नगर निगम पहुंचे और अधिकारियों से लंबित फाइलों का शीघ्र निस्तारण कर पट्टे जारी करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राज्य सरकार ने हाल ही में धारा 69-ए के तहत पात्र गरीब परिवारों को पट्टे देने के निर्देश जारी किए हैं, लेकिन नगर निगम में वर्षों पुरानी फाइलें अभी भी लंबित पड़ी हुई हैं। मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि कई लोगों ने चार से पांच वर्ष पूर्व आवेदन किए थे, लेकिन उनकी फाइलों को अब तक ऑनलाइन नहीं किया गया और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि गरीब, वंचित और बेसहारा परिवारों को मकान के पट्टे मिलने से उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ, बैंक ऋण तथा आवास के विकास की सुविधा मिल सकेगी।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने हाल ही में आए आंधी-तूफान का उल्लेख करते हुए कहा कि कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में स्थायी आवास और पट्टे उनकी सबसे बड़ी जरूरत हैं। उन्होंने प्रशासन से राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप लंबित मामलों का शीघ्र समाधान कर पात्र परिवारों को पट्टे जारी करने की मांग की।

भीलवाड़ा कच्ची बस्ती विकास मंच के प्रतिनिधि गोवर्धन सिंह कटार ने कहा कि नगर निगम में वर्षों से लंबित फाइलों पर कार्रवाई नहीं होने से गरीब परिवार परेशान हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पट्टे जारी नहीं किए गए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कोटा-बूंदी में सड़क हादसों से मौतें शून्य करने की पहल, 'जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम' पर मंथन

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने पर दिया जोर

भीलवाड़ा फोकस @ कोटा

(गर्वित) । कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों को शून्य करने के लक्ष्य के साथ लोकसभा अध्यक्ष एवं सांसद ओम बिरला ने बुधवार को संसद भवन स्थित अपने कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक की। सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत सेव लाइफ फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में क्षेत्र में 'जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम' को प्रभावी रूप से लागू करने और सड़क हादसों में होने वाली मौतों को न्यूनतम स्तर तक लाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में ओम बिरला ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक जानें युवाओं की जाती हैं, जो परिवारों के साथ-साथ देश की उत्पादक शक्ति के लिए भी बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है और इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल दुर्घटनाओं में कमी लाना नहीं, बल्कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र को देश का आदर्श 'जीरो फेटेलिटी मॉडल' बनाना है।

समन्वित प्रयासों से आने वाले वर्षों में सड़क हादसों से होने वाली मौतों में 70 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है।

21 गंभीर कॉरिडोर और 19 संवेदनशील स्थान चिन्हित

बैठक में सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत अध्ययन के अनुसार कोटा-बूंदी क्षेत्र में प्रतिवर्ष औसतन 400 से अधिक लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में होती है। अध्ययन में 21 ऐसे गंभीर सड़क कॉरिडोर चिन्हित किए गए हैं, जहां लगभग 50 प्रतिशत दुर्घटना जनित मौतें होती हैं।

इसके अलावा 19 ऐसे स्थानों की पहचान की गई है, जहां बार-बार ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के कारण करीब 25 प्रतिशत मौतें होती हैं। वहीं 12 अत्यंत संवेदनशील पैदल यात्री दुर्घटना स्थलों पर लगभग 20 प्रतिशत सड़क हादसों में मौतें दर्ज की गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्र के लगभग 60 पुलिस थाना क्षेत्रों में से 25 थाना क्षेत्र ऐसे हैं, जहां कुल सड़क दुर्घटना मौतों का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा दर्ज होता है। तेज रफ्तार और खतरनाक ओवरटेकिंग को लगभग 24 प्रतिशत दुर्घटना जनित मौतों का प्रमुख कारण बताया गया।

इंजीनियरिंग सुधार और ट्रॉमा केयर पर जोर

बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI), लोक निर्माण विभाग (PWD), पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य विभाग और शहरी निकायों के लिए अलग-अलग कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई। दुर्घटना संभावित स्थलों पर इंजीनियरिंग सुधार, ब्लैक स्पॉट सुधार, सड़क सुरक्षा ऑडिट, ट्रैफिक प्रबंधन, संकेतक व्यवस्था और पैदल यात्रियों की सुरक्षा जैसे विषयों को प्राथमिकता दी गई।

साथ ही दुर्घटना के बाद पीड़ितों को शीघ्र चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने, एम्बुलेंस सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने और ट्रॉमा केयर सिस्टम को मजबूत करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

आधारित निगरानी प्रणाली लागू करने की तैयारी

ओम बिरला ने कहा कि कोटा में स्थापित कमांड एंड कंट्रोल सेंटरों का अधिकतम उपयोग कर सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने प्रमुख राजमार्गों और संवेदनशील स्थलों पर एआई आधारित निगरानी प्रणाली तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने, तेज गति से वाहन चलाने और खतरनाक ओवरटेकिंग करने वाले चालकों की तत्काल पहचान कर कार्रवाई की व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए।

सामूहिक प्रयासों से बनेगा आदर्श मॉडल

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार, प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं, विशेषज्ञ संगठनों और आम नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समन्वित प्रयासों के माध्यम से कोटा-बूंदी को देश का पहला आदर्श 'जीरो फेटेलिटी संसदीय क्षेत्र' बनाया जा सकता है। बैठक में सेव लाइफ फाउंडेशन के पदाधिकारियों के साथ लोकसभा अध्यक्ष के ओएसडी राजेश गोयल भी मौजूद रहे।

तेज अंधड़ से ट्रांसफार्मर और विद्युत पोल गिरे, रातभर ठप रही बिजली

कई स्थानों पर पेड़ हुए धराशायी, बिजली विभाग ने शुरू किया मरम्मत कार्य

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर।

सांवर वैष्णव । क्षेत्र में मंगलवार देर रात आए तेज अंधड़ और बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के चलते कई स्थानों पर पेड़ धराशायी हो गए, जबकि जित्यास गांव में एक पेड़ गिरने से दो विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद गांव में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।जानकारी के अनुसार मंगलवार दिनभर उमस और तेज गर्मी के बाद देर रात अचानक मौसम ने करवट ली। तेज गर्जना, बिजली की चमक और अंधड़ के साथ बारिश शुरू हो गई। तेज हवाओं के कारण क्षेत्र के कई गांवों में पेड़ गिर गए, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ।

जित्यास गांव में नारायण जाट के खेत पर एक बड़ा पेड़ गिरने से उसके पास लगे दो विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर धराशायी हो गए। इससे गांव की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप

हो गई और ग्रामीणों को रातभर परेशानी का सामना करना पड़ा।

घटना की सूचना मिलने पर बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए सिंगल फेज विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी। वहीं क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर और विद्युत लाइन पर गिरे पेड़ों को हटाने का कार्य बुधवार को भी जारी रहा। विभागीय कर्मचारी थ्री-फेज बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए मरम्मत कार्य में जुटे रहे।

मेला मैदान के पास युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

चार बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर।

नगर के सहाड़ा चौराहे स्थित मेला मैदान के पास एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। मृतक की पहचान चीड़खेड़ा ग्राम पंचायत के कुम्हारिया खेड़ा निवासी 34 वर्षीय भेरूलाल कुम्हार पुत्र नानूराम कुम्हार के रूप में हुई है। परिजनों ने युवक की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।

जानकारी के अनुसार भेरूलाल रविवार शाम को घर से निकले थे, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटे। मंगलवार सुबह उनका शव मेला मैदान के पास मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। उसके चार छोटे-छोटे बच्चे हैं, जबकि परिवार में एक भाई दिव्यांग है और पिता बुजुर्ग हैं। ऐसे में अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

शव लेने से किया इनकार, निकाला मोर्चा

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और हत्या का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों एवं समाज के लोगों के साथ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग उठाई।

उपखंड कार्यालय पहुंचा जनआक्रोश

बुधवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण उपखंड कार्यालय पहुंचे और उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मेडिकल बोर्ड से पुनः पोस्टमार्टम करवाने, दोषियों की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की गई।

ग्रामीणों का कहना था कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सके और दोषियों को सजा मिल सके।

प्रशासन के आश्वासन के बाद हुआ अंतिम संस्कार

उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर ने परिजनों को आश्वस्त किया कि शव का मेडिकल बोर्ड से पुनः पोस्टमार्टम करवाया जाएगा तथा पीड़ित परिवार को हरसंभव आर्थिक सहायता दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। प्रशासन के आश्वासन के बाद परिजन और ग्रामीण शांत हुए तथा बाद में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया।

एक व्यक्ति हिरासत में, जांच जारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी सक्रिय रहे। मौके पर एसडीएम विवेक गुर्जर, तहसीलदार वीरेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बुद्धराज खटीक, पुलिस उपाधीक्षक सुदर्शन पालीवाल तथा थानाधिकारी लीलाधर मालवीय सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस और भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाइश दी। पुलिस ने हत्या की आशंका को देखते हुए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच थानाधिकारी लीलाधर मालवीय के नेतृत्व में की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

निर्जला एकादशी पर श्रद्धा से सजेगा छोटा रुणिचा धाम, 24वां स्थापना दिवस आज

551 दीपों से जगमगाएगा धाम, महाआरती व धार्मिक अनुष्ठानों में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर नया नगर स्थित छोटा रुणिचा धाम गुरुवार को भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आएगा। धाम का 24वां स्थापना दिवस विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया जाएगा। दिनभर पूजा-अर्चना, अभिषेक, हवन और दीपोत्सव जैसे कार्यक्रम होंगे, वहीं शाम को होने वाली महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

धाम के गादीपति महंत हीरालाल जोगी ने बताया कि 21 जून 2002 को निर्जला ग्यारस के अवसर पर 21 कुंडीय महायज्ञ के साथ छोटा रुणिचा धाम में बाबा रामदेवजी की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन किया गया था। तभी से प्रतिवर्ष स्थापना दिवस को धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

उन्होंने बताया कि 24वें स्थापना दिवस पर प्रातःकाल से ही धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू होगा। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक, विशेष पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालु बाबा रामदेवजी के दर्शन कर सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना करेंगे।

551 दीपों से होगी आस्था की ज्योति प्रज्ज्वलित

स्थापना दिवस के अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा 551 दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। दीपों की रोशनी से पूरा धाम जगमगा उठेगा और भक्तिमय वातावरण का अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। रात्रि 8 बजे होने वाली महाआरती कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगी।

आस्था और संस्कारों का केंद्र है धाम

महंत हीरालाल जोगी ने कहा कि छोटा रुणिचा धाम वर्षों से क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां विराजित बाबा रामदेवजी की पावन प्रतिमा श्रद्धालुओं को सेवा, सदाचार, मानवता और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। स्थापना दिवस के अवसर पर विश्व शांति, जनकल्याण, सुख-समृद्धि और खुशहाली की विशेष प्रार्थना की जाएगी।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा 2026: जिला कलेक्टर ने निकाली ऑनलाईन लॉटरी

भीलवाड़ा जिले से चुने गए 203 हवाई और 1659 रेल यात्री

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2026 के चरणबद्ध क्रियान्वयन के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 हेतु तीर्थ यात्रियों का चयन करने के लिये ऑनलाईन लॉटरी बुधवार को कलेक्ट्रेट में जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू द्वारा निकाली गई।

इस अवसर पर देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी द्वारा लॉटरी प्रक्रिया से अवगत करवाया गया। इसके पश्चात जिला कलक्टर द्वारा तीन डेमो पश्चात मुख्य लॉटरी के माध्यम से तीर्थ यात्रियों का चयन करने के लिये ऑनलाइन लॉटरी निकाली।

उन्होंने बताया कि देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2026 के तहत भीलवाड़ा जिले से हवाई यात्रा के लिये 203 और रेल यात्रा के लिये 1659 इस प्रकार कुल 1862 यात्रियों का चयन किया गया है। इस अवसर पर एडीएम सिटी प्रतिभा देवठिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन,सीएमएचओ डॉ संजीव शर्मा एसीपी डीओआईटी नवनीत सोमानी, गौरव सोमानी सहित अन्य मौजूद रहे।

सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने बताया कि इस बार प्रदेश के 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को रेल मार्ग और 6 हजार को वायु मार्ग से निर्धारित स्थलों पर यात्रा करवाई जाएगी जिसमे जिले के 1862 वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना के तहत यात्रा करवाई जाएगी। जिसमे विभिन्न यात्राओं हेतु कार्यक्रम का निर्धारण आगामी दिनों मे किया जाकर वर्षभर यात्राएं करवाई जाएंगे।

तीर्थयात्रा के प्रमुख गंतव्य स्थलों में हरिद्वार-ऋषिकेश- आयोध्या-वाराणसी-सारनाथ, सम्मेदशिखर-पावापुरी-वाराणसी-सारनाथ, मथुरा- वृंदावन- बरसाना-आगरा-अयोध्या, द्वारकापुरी-नागेश्वर-सोमनाथ, तिरूपति-पद्मावति, कामाख्या- गुवाहाटी, गंगासागर-

कोलकाता, जगन्नाथपुरी- कोणार्क, रामेश्वरम्-मदुरई, वैष्णोदेवी-अमृतसर-वाघा बोर्डर, गोवा के मंदिर एवं अन्य स्थल चर्च आदि, महाकालेश्वर, उज्जैन-ओंकारेश्वर-त्रयम्बकेश्वर-घृष्णेश्वर-एलोरा, बिहार-शरीफ, श्री हूजुर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र और पटना बिहार की यात्रा रेलमार्ग से करवाई जाएगी।

वहीं हवाई जहाज द्वारा पशुपतिनाथ-काठमांडू (नेपाल) की यात्रा करवाई जाएगी। हवाई यात्रा में चयनित यात्रियों को नेपाल की विदेश यात्रा हेतु मूल वोटर कार्ड अथवा भारतीय पासपोर्ट अनिवार्य होगा।

ज्ञातव्य है कि प्रदेश के मूल निवासी वरिष्ठ नागरिकों (60 साल या अधिक आयु के व्यक्ति) को उनके जीवन काल में एक बार निर्धारित तीर्थ स्थानों में से किसी एक स्थान पर पूर्णतया निःशुल्क यात्रा करवाने की यह योजना वर्ष 2013 से चलाई जा रही है। वर्ष 2016 से इसमें हवाई यात्रा को सम्मिलित किया गया। गत वर्ष सभी वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित रेलगाड़ी में यात्रा करवाई गई। साथ ही आमजन से अपील कि है चूंकि यह योजना पूर्णतया निःशुल्क है, इसमें चयन हेतु किसी प्रकार का कोई शुल्क नही लिया जाता है अतः आमजन को आगाह किया जाता है कि किसी भी प्रकार के ठग आदि के झाँसे में नही आवें। किसी भी जानकारी के लिए देवस्थान विभाग के संभागीय कार्यलय , राज. लोक सेवा आयोग के सामने, अजमेर या ईमेल पर सम्पर्क किया जा सकता है।

QUICK BITES

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित, व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

दिलखुश मोटीस

जिला कलेक्टर अजमेर एवं जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार सावर पुलिस थाना परिसर में आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कार्यवाहक उपखंड अधिकारी भगवती प्रसाद वैष्णव ने की, जबकि थाना प्रभारी बनवारी लाल मीणा मौजूद रहे।

बैठक में मोहर्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर शांति समिति के सदस्यों से विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्गों का अवलोकन कर रास्ते में आने वाले संभावित अवरोधों को समय रहते हटाने के निर्देश दिए। साथ ही जुलूस मार्ग पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग के कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

अधिकारियों ने सभी समुदायों के लोगों से आपसी भाईचारे, सद्भाव और सहयोग की भावना बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की। बैठक में शांति समिति के सदस्य अशोक गंदेरिया, रंगलाल भील, शब्बीर मोहम्मद, इकबाल मोहम्मद, बीसायती, रफीक मोहम्मद, लक्ष्मी नारायण मालावत, आदित्य योगी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महेश नवमी शोभायात्रा में चंद्रशेखर आजाद नगर महिला मंडल द्वारा शिव परिवार की सजीव झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर

महेश नवमी पर्व के अवसर पर माहेश्वरी समाज द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा में चंद्रशेखर महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत शिव परिवार की सजीव झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। झांकी ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति एवं धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत स्वरूप से शोभायात्रा में चार चांद लगा दिए।

मीडिया प्रभारी अंकित सोमानी ने बताया कि क्षेत्रीय महिला अध्यक्ष चंदा जागेटिया एवं सचिव ललित राठी के नेतृत्व में शिव परिवार की भव्य झांकी तैयार कर आकर्षक बग्गी में विराजित की गई। झांकी को देखने के लिए मार्गभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही तथा सभी ने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

झांकी के निर्माण एवं संचालन में मीनल काबरा, शिल्पा बसेर, पार्वती पटवारी, अनीता बांगड़, रीना बाहेती, रेखा हेडा, राधा तोतला, कृष्णा जागेटिया सहित महिला मंडल की अनेक कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

सजीव झांकी में भगवान शिव के रूप में इशिता माहेश्वरी, माता पार्वती के रूप में अविका काबरा, भगवान गणेश के रूप में यशवी लड्ढा, रिद्धि-सिद्धि के रूप में खुशी एवं आस्था तथा भगवान कार्तिकेय के रूप में काव्या माहेश्वरी ने मनोहारी प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन 2026 का निमंत्रण सौंपा, पोस्टर का किया विमोचन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष मनोज शर्मा के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा से मुलाकात कर युवक-युवती परिचय सम्मेलन-2026 का निमंत्रण पत्र भेंट किया। इस अवसर पर सम्मेलन के आधिकारिक पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी एवं वन पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के परिचय सम्मेलन समाज को संगठित करने तथा युवाओं को एक-दूसरे से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने महासभा द्वारा किए जा रहे सामाजिक प्रयासों की सराहना करते हुए आयोजन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने सम्मेलन की रूपरेखा, उद्देश्य एवं तैयारियों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। इस दौरान समाजसेवी चितवन व्यास, जिला मंत्री संजय शर्मा, प्रवीण शर्मा एवं गोपाल पारीक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश महामंत्री बृजेश पारीक ने बताया कि युवक-युवती परिचय सम्मेलन-2026 का आयोजन समाज में पारिवारिक एवं सामाजिक समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जाएगा।

गंगापुर के चीडखेड़ा शिविर में आमजन को मिला त्वरित राहत का लाभ

प्रधानमंत्री आवास योजना से इन्द्रा देवी को मिला पक्का आशियाना

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर

तहसील सहाड़ा की ग्राम पंचायत चीड़खेड़ा में बुधवार को उपखण्ड अधिकारी गंगापुर की अध्यक्षता में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करते हुए अनेक योजनाओं के लाभार्थियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया।

शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम चीड़खेड़ा निवासी इन्द्रा देवी पत्नी श्री रामेश्वर बैरवा को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आशियाना मिला।वहीं राजस्व विभाग द्वारा एक बंटवारा प्रकरण का निस्तारण, 25 एफ.आर.सी. प्रकरणों का निष्पादन तथा 5 नामांतरण प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त आबादी विस्तार एवं भूमि आवंटन से संबंधित दो प्रस्ताव भी तैयार किए गए, जिससे स्थानीय नागरिकों को राहत मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

ग्रामीण सेवा शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया। ग्रामीणों ने एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने पर संतोष व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की इस अभिनव पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी विवेक गुर्जर, विकास अधिकारी गजेन्द्र सिंह, तहसीलदार वीरेन्द्र सिंह सहित समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामेश्वरम में माहेश्वरी समाज का महासंगम, भगवान महेश के महाप्रसाद में उमड़ा जनसैलाब

महेश नवमी महोत्सव में महाप्रसाद व्यवस्था बनी आकर्षण का केंद्र, समिति के योगदान की हुई सराहना

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

श्री नगर माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित माहेश्वरी समाज के विशाल महासंगम में शहर सहित जिलेभर से पहुंचे हजारों समाजजनों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। भगवान महेश की कृपा एवं आशीर्वाद के प्रतीक स्वरूप आयोजित महाप्रसाद कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। महाप्रसाद के निर्माण से लेकर उसके परिवहन, वितरण एवं भोजन काउंटरों के सुचारू संचालन तक कैटरिंग समिति एवं कार्यकर्ताओं ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। इस दौरान समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने समाज की एकजुटता, संस्कारों और सेवा परंपरा को बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर, सामाजिक एकता और सेवा भाव का अनूठा संगम देखने को मिला। नगर सचिव सुरेश बिरला ने बताया की महासंगम में कृष्णगोपाल जाखेटिया रमेश बाहेती, कैलाश ईनानी, अरविन्द नामधरानी, दिलिप लाहोटी, सुभाष बाहेती, मनीश बहेडिया, दिलिप अखेराम तोषनीवाल, मनोहर अजमेरा, बालकृष्ण काबरा सहित भोजन निर्माण, भोजन परिवहन, भोजन काउंटर तथा कैटरिंग समिति के विभिन्न सदस्ययो व कई प्रदाधिकारीयो ने पूरे आयोजन के दौरान समन्वय स्थापित करते हुए व्यवस्थाओं को सफल बनाया। कोषाध्यक्ष गोपाल नरानीवाल व संगठन मंत्री प्रमोद डाड ने बताया की रामेश्वरम में माहेश्वरी समाज के भगवान शंकर के महाप्रसाद के महासंगम के अवसर पर झूठा नहीं छोड़ने का संदेश दिया 'इतना ही ले थाली में व्यर्थ न जाए नाली में'। समाजजनों ने इस संदेश का स्वागत करते हुए संकल्प लेते हुए बमुखी निभाया। महासंगम ने माहेश्वरी समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक मूल्यों को नई ऊर्जा प्रदान की। सह संयोजक केजी राठी व अर्चित मून्दडा ने बताया की महाप्रसाद कार्यक्रम में भोजन व्यवस्था की उत्कृष्ट तैयारियों और सफल संचालन ने सभी श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। भोजन निर्माण टीम ने स्वच्छता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए स्वादिष्ट एवं सात्विक व्यंजनों की व्यवस्था की। वहीं भोजन परिवहन टीम ने निर्धारित समय पर विभिन्न स्थलों तक महाप्रसाद पहुंचाकर व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा। भोजन काउंटरों पर कार्यरत समाजबंधुओं ने अनुशासित एवं व्यवस्थित तरीके से समाजजनो को प्रसाद वितरित किया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव के समापन अवसर पर संयोजक अतुल राठी ने आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समाजबंधुओं एवं सहयोगियों का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। राठी ने बताया की महेश नवमी महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकता, संस्कार और सेवा भावना का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि समाज के सभी वर्गों के लोगों ने तन, मन और धन से सहयोग कर आयोजन को भव्य एवं यादगार बनाया। कार्यक्रमों के सफल संचालन में पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका, कार्यकर्ताओं की मेहनत तथा समाजजनों के उत्साहपूर्ण सहभागिता ने महोत्सव को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

गुर्जर समाज ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच की मांग

आसींद थाने के पुलिसकर्मियों पर कथित प्रताड़ना का आरोप, कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

आसींद थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के साथ कथित पुलिस प्रताड़ना के मामले को लेकर बुधवार को गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को निलंबित करने तथा उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई।

ज्ञापन में बताया गया कि 19 जून को जेठूलाल गुर्जर को पुलिसकर्मियों द्वारा हिरासत में लेकर कथित रूप से मारपीट की गई। आरोप है कि थाने में उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। समाज के प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पीड़ित के हाथ, पैर एवं अंगूठे में फ्रैक्चर सहित अन्य चोटें आई हैं, जिनका उपचार चल रहा है। गुर्जर समाज ने प्रशासन के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखीं। इनमें पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय अधिकारियों की निगरानी में निष्पक्ष जांच, संबंधित थानाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने तथा दोषियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग शामिल है।

पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने प्रतिनिधिमंडल को मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने और जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

समाज के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो जिलेभर में आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन देते समय राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेश महामंत्री मोहनलाल सराधना, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के जिलाध्यक्ष राधेश्याम भड़ाणा, राजस्थान युवा गुर्जर महासभा के जिलाध्यक्ष नारायण काकड़ा, एडवोकेट नरेन्द्र गुर्जर, नारायणलाल गुर्जर, भोमराज गुर्जर, रितेश गुर्जर, लालाराम गुर्जर सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्निवीर की ट्रेनिंग पूरी कर गांव लौटे दिनेश सुथार का हुआ भव्य स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित होने के बाद प्रशिक्षण पूर्ण कर पहली बार पैतृक गांव पहुंचे दिनेश सुथार का रेड़वास गांव में ग्रामीणों ने उत्साह और गौरव के साथ भव्य स्वागत किया । देश सेवा के लिए सेना में शामिल हुए युवा सैनिक के सम्मान में गांव में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला और जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया । रेड़वास निवासी श्यामलाल सुथार के सुपुत्र दिनेश सुथार का अग्निवीर में चयन दिसंबर 2025 में हुआ, जो 5 जनवरी से 20 जून तक बेंगलौर के एजिपुरा में ट्रेनिंग पुरी की, वही अब जम्मू-कश्मीर में पोस्टिंग हुई । दिनेश पहली बार गांव पहुंचने से पहले बनकाखेड़ा के मोचड़िया के मंड देवनारायण मंदिर पर भगवान का आशीर्वाद लिया, इसके बाद देवनारायण मंदिर पर पुष्प वर्षा, माला व साफा पहनाकर स्वागत किया, इसके बाद देवनारायण मंदिर से सैनिक सम्मान रैली व वाहन रैली शुरू हुई जो ढ़ेलाणा, सवाईपुर, कोटड़ी चौराया, रेड़वास चौराहा होते हुए रेड़वास गांव पहुंची, इस दौरान रास्ते में जगह-जगह ग्रामीणों व समाज जनों व विभिन्न संगठनों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया । सैनिक सम्मान रैली गांव में पहुंचते ही ग्रामीणों ने भारत माता व वंदे मातरम के जयकारों के साथ उनका स्वागत किया । इसके बाद गांव में जुलूस के रूप में निकाला, जिसका स्वागत करते हुए फूल-मालाएं पहनाई गई तथा साफा बांधकर सम्मानित किया गया, घर पहुंचने पर दिनेश ने माता व पिता को आर्मी केप पहनाई । दिनेश सेना में शामिल होकर ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है । उनका यह सफर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने वाला है । यह गांव का पहला युवा जो सैना में गया, इससे पहले भी गांव से एक फौजी देश की सेवा में गया था ।।

सदर बाजार मार्ग की बदहाली पर बढ़ा जनदबाव, पूर्व पार्षदों ने सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

शहर के प्रमुख सदर बाजार मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर जनप्रतिनिधियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस नगर अध्यक्ष द्वारा सड़क मरम्मत का मुद्दा उठाए जाने के बाद अब नगर पालिका के निवर्तमान पार्षदों ने भी अधिशाषी अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

निवर्तमान पार्षद एवं पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी मुबारिक हुसैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि त्रिमूर्ति चौराहे से सदर बाजार होते हुए बालाजी की छतरी तक पेयजल पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं तथा पाइपलाइन डालने के बाद मार्ग ऊबड़-खाबड़ हो गया है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

निवर्तमान पार्षद डॉ. मोहम्मद इशाक ने कहा कि मोहर्रम का पर्व नजदीक है और मानसून भी शुरू होने वाला है। ऐसे में समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो बारिश के दौरान हालात और खराब हो सकते हैं। इससे आमजन, व्यापारियों तथा धार्मिक जुलूसों में शामिल लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

वहीं वरिष्ठ निवर्तमान पार्षद हमीद खान कायमखानी ने कहा कि शहर की यह मुख्य सड़क लंबे समय से खराब स्थिति में है और इसे प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की।

ज्ञापन में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि शहरवासी लंबे समय से खराब सड़क की समस्या झेल रहे हैं और अब इसका स्थायी समाधान आवश्यक हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जनआक्रोश और बढ़ सकता है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान अमजद खान, पार्षद प्रतिनिधि मदन सर्वा, एसडीपीआई के निवर्तमान पार्षद यूसुफ मोहम्मद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राहुल गांधी के कोटा संवाद का भीलवाड़ा में सीधा प्रसारण, शिक्षा व रोजगार के मुद्दों पर हुई चर्चा

टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों और युवाओं ने शिक्षा व रोजगार के मुद्दों पर राहुल गांधी का संवाद सुना

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा,

जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा शहर के तत्वावधान में बुधवार को टाउन हॉल स्थित महाराणा प्रताप सभागार, नगर निगम भीलवाड़ा में छात्रों एवं युवाओं से जुड़े शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कोटा में छात्रों एवं युवाओं के साथ किए गए संवाद का बड़ी एलईडी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवा अभ्यर्थियों, शिक्षकों, कांग्रेस पदाधिकारियों एवं आम नागरिकों ने देखा।

जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष शिवराम जी.पी. खटीक ने कहा कि पेपर लीक, परीक्षाओं के रद्द होने, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी तथा बढ़ती बेरोजगारी जैसी समस्याएं युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाने तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर ने कहा कि देश की सबसे बड़ी ताकत उसके युवा हैं और उनकी शिक्षा तथा रोजगार की सुरक्षा राष्ट्र के भविष्य के लिए आवश्यक है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री नसीम अख्तर इंसाफ ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था और युवाओं के साथ सतत संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। भीलवाड़ा जिला सह प्रभारी कैलाश झालीवाल ने कहा कि आज का युवा अवसर चाहता है, केवल आश्वासन नहीं। वहीं भीलवाड़ा विधानसभा प्रभारी गौतम स्वामी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता, समयबद्ध भर्तियों और पारदर्शी व्यवस्था को युवाओं का अधिकार बताया।

कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी के कोटा संवाद का सीधा प्रसारण दिखाया गया, जिसमें शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं, युवाओं के भविष्य और रोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने संवाद को गंभीरता से सुना तथा युवाओं के मुद्दों पर व्यापक चर्चा और समाधान की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट कुणाल ओझा ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर याकूब मोहम्मद, राजेश चौधरी, मनोज पालीवाल, राजेन्द्र जैन, मंजू पोखरना, कुणाल ओझा, मोहम्मद हारून रंगरेज, सत्यवीर सिंह सांकरिया, मोहम्मद रफिक शेख, मेवाराम खोईवाल, अनिल राठी, ऊकार माली, हमीद रंगरेज, शिव प्रकाश घावरी, योगेश सोनी, रेखा हिरण, किशन जाट, भावेश पुरोहित, राधेश्याम भड़ाणा, भवर जाट, अमजद कायमखानी, चन्द्र प्रकाश अमरवाल, उस्मान पठान, वसीम शेख, कन्हैया लाल बैरवा, डॉ. फरियाद मोहम्मद, निसार सिलावट, अशफाक कुरैशी, मोहम्मद शाहीद देशवाली, अनील डीड़वाणिया, राजकुमार माली, सुरेश बम्ब, जितेन्द्र दरियानी, श्यामलाल महोल्त्रा, अशोक पारीक, ओमप्रकाश तेली, राजकुमार जैन, शाकिर शेख, कश्मीर शेख, राजकुमार खटीक, मुकेश घुसर, राकेश देसाई, अली मंसूरी, ममता शर्मा, दीपक व्यास, एडवोकेट विनोद कसारा, विकास जैन, कमल प्रजापत, अनवर हुसैन मंसूरी, गोरीशंकर दायमा सहित सभी वार्ड अध्यक्ष एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फोकस इम्पैक्ट: तिरपाल से पक्की छत तक पहुंची जिंदगी, विधवा भोली देवी के आंगन में लौटी खुशियां

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी ग्रामीण

दिनेश पारीक । कभी सिर पर छत नहीं थी, बरसात की रातें तिरपाल के नीचे गुजरती थीं, गर्मी की तपिश और सर्दी की ठिठुरन ही इस परिवार की नियति बन चुकी थी। दो मासूम बच्चों के साथ संघर्ष भरा जीवन जी रही विधवा भोली देवी भील के लिए हर दिन किसी परीक्षा से कम नहीं था। लेकिन एक खबर ने न केवल उनकी पीड़ा को समाज के सामने रखा, बल्कि उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी।

आज वही परिवार अपने पक्के मकान में गृह प्रवेश कर नई उम्मीदों के साथ जीवन की शुरुआत कर रहा है।

मंशा ग्राम पंचायत के भीलों का झोपड़ा गांव निवासी भोली देवी भील के जीवन में यह बदलाव सकारात्मक पत्रकारिता, प्रशासनिक संवेदनशीलता और जनसहयोग की बदौलत संभव हो सका। करीब आठ माह पहले 13 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित खबर 'न छत, न साया, तिरपाल के नीचे जिंदगी गुजारने को मजबूर विधवा महिला, दो मासूम बच्चे भी बेहाल' ने पूरे क्षेत्र का ध्यान इस परिवार की ओर खींचा था। खबर सामने आते ही मदद का ऐसा कारवां शुरू हुआ, जिसने एक बेबस परिवार को नया जीवन दे दिया।

भोली देवी के पति प्रभु भील की तीन वर्ष पूर्व सिलिकोसिस बीमारी से मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर नहीं, जमीन नहीं और आय का कोई स्थायी साधन भी नहीं। ऐसे में भोली देवी अपने पुत्र दुर्गेश और मुकेश के साथ एक तिरपाल के सहारे जीवन काट रही थी। बारिश में तिरपाल टपकती थी, सर्दी में ठंडी हवाएं भीतर तक चुभती थीं और गर्मी में यह अस्थायी आशियाना भट्टी बन जाता था।

खबर प्रकाशित होने के बाद कोटड़ी प्रधान करण सिंह बेलवा स्वयं गांव पहुंचे और परिवार की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने न केवल सरकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल की, बल्कि समाज के भामाशाहों, समाजसेवियों और ग्रामीणों को भी इस पुनीत कार्य से जोड़ा। फिर क्या था, किसी ने सीमेंट दी, किसी ने ईंटें, किसी ने बजरी और पत्थर उपलब्ध कराए तो कई लोगों ने आर्थिक सहयोग देकर निर्माण कार्य को गति दी।

देखते ही देखते मदद के छोटे-छोटे हाथ एक बड़े जनअभियान में बदल गए। गांव के लोगों ने यह साबित कर दिया कि जब समाज किसी जरूरतमंद के साथ खड़ा हो जाए तो मुश्किल से मुश्किल हालात भी बदल सकते हैं। जनसहयोग से तैयार हुआ मकान अब भोली देवी और उनके बच्चों के लिए केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और नए भविष्य का प्रतीक बन गया है।

बुधवार को नव निर्मित मकान का विधिवत लोकार्पण किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच भोली देवी और उनके बच्चों का गृह प्रवेश कराया गया। वर्षों बाद पक्की छत के नीचे कदम रखते समय भोली देवी की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। यह दृश्य वहां मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर गया।

कार्यक्रम में समाजसेवी दिनेश पारीक, नारायण भदाला, कैलाश जाट, राम वैष्णव, सद्दाम मंसूरी, विजय चौधरी, काना जाट, रत्न तेली, जगदीश तेली, देवराज जाट, पंडित लोकेश कुमार, रामलाल पांडे, पुष्पेंद्र शर्मा, नारायण गोस्वामी, शिवांश पुरोहित सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

यह कहानी केवल एक मकान बनने की नहीं है, बल्कि यह उस बदलाव की कहानी है जो संवेदनशील पत्रकारिता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और समाज की सहभागिता से संभव हुआ। तिरपाल के नीचे जीवन गुजारने वाली भोली देवी के सिर पर आज पक्की छत है और उनके बच्चों के चेहरे पर भविष्य की नई उम्मीद।

मोगरा महल, इत्र के फव्वारे और कैलाश मानसरोवर के जल से सजेगा यमुना कुंड

निर्जला एकादशी पर कोटड़ी श्याम का पंचम नौका विहार महोत्सव आज, 501 किलो आम और 108 पान का लगेगा भोग

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी ग्रामीण

दिनेश पारीक। मेवाड़ अंचल के सुप्रसिद्ध आस्था केंद्र श्री कोटड़ी श्याम में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर बुधवार, 25 जून को पंचम नौका विहार महोत्सव भक्ति, श्रद्धा और भव्यता के साथ आयोजित होगा। इस बार महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में विशेष तैयारियां की गई हैं, जिससे पूरा धाम वृंदावन की छटा बिखेरता नजर आएगा।

महोत्सव के तहत संपूर्ण मंदिर परिसर को वृंदावन से मंगवाए गए सुगंधित मोगरे के फूलों से सजाकर भव्य मोगरा महल का निर्माण किया जाएगा। सुबह मंगला आरती के समय ठाकुरजी का विशेष इत्र अभिषेक होगा तथा पूरे मंदिर परिसर में सुगंध बिखेरने के लिए इत्र के फव्वारे लगाए जाएंगे।

नौका विहार के लिए विशेष रूप से यमुना भाव से निर्मित दिव्य कुंड तैयार किया गया है, जिसमें यमुना जल, गंगाजल एवं कैलाश मानसरोवर के पवित्र जल का समावेश किया जाएगा। कुंड को कमल एवं गुलाब के हजारों फूलों से सजाकर आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा। दोपहर 12:15 बजे ठाकुरजी का भव्य नौका विहार आरंभ होगा, जहां श्रद्धालु अलौकिक दर्शन का लाभ लेंगे। महोत्सव में भगवान श्याम को 501 किलो आम से विशेष आम मनोरथ अर्पित किया जाएगा। इसके साथ ही सात प्रकार की मठरी, 108 पान,

माखन-मिश्री, लस्सी, आमरस, रबड़ी, पंजीरी, रसगुल्ला, गुरुजी की ठंडाई, गुलाब शरबत एवं मैंगो क्रीम सहित विविध व्यंजनों का भोग नौका विहार के दौरान समय-समय पर लगाया जाएगा।

भजन संध्या में चैतन्य , लखन टेलर एवं अन्य कलाकारों द्वारा भक्ति रस की प्रस्तुति दी जाएगी। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार महोत्सव को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह है

कोटड़ी सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु इस अद्भुत नौका विहार महोत्सव के साक्षी बनेंगे। मोगरे की सुगंध, इत्र की फुहारों, फूलों से सजे यमुना कुंड और आम के मनोरथ के बीच ठाकुरजी का नौका विहार इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव बनेगा।

QUICK BITES

प्रशिक्षण पूर्ण कर गांव लौटे अग्निवीर राहुल मीणा का भव्य स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ लाडपुरा।

भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित राहुल मीणा प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद अपने पैतृक गांव फुलजी की खेड़ी पहुंचे, जहां ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

लाडपुरा चौराहे पर राहुल मीणा का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इसके बाद गांव में स्वागत जुलूस निकाला गया, जिसमें जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। राहुल मीणा के पिता सीताराम मीणा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान राहुल ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया तथा देशसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत बनाया। ग्रामीणों और कस्बेवासियों ने अग्निवीर राहुल मीणा की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धर्मराज सिंह के भारतीय सेना में चयन पर हुआ भव्य स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ अकोला

(रमेश चंद्र डाड) सोलंकियों का खेड़ा गांव में रावणा राजपूत समाज के युवा धर्मराज सिंह, पुत्र देवी सिंह, के भारतीय सेना में चयन होने पर ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। गांव में खुशी का माहौल रहा तथा समाज के लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका सम्मान किया।

स्वागत समारोह के दौरान सोलंकियों का खेड़ा चौराहे पर स्थापित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर साफा पहनाया गया। उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के जयकारे लगाते हुए उनके शौर्य, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति को याद किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह और गौरव का माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। माताओं, बहनों, बुजुर्गों और युवाओं ने धर्मराज सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि सेना में चयन से न केवल परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ा है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भारत सरकार की अग्निवीर योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना ने ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं को देश सेवा का सुनहरा अवसर प्रदान किया है। सभी ने धर्मराज सिंह को भारतीय सेना में चयन पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

चंबल का पानी सप्ताह में दो बार देने की मांग को लेकर युवक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठा

फ्लोराइड युक्त पानी से परेशान ग्रामीणों ने उठाई नियमित पेयजल आपूर्ति की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

ग्राम पंचायत जामोली में पेयजल संकट और फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या को लेकर एक युवक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गया। ग्रामीणों ने गांव में नियमित रूप से चंबल का पानी उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। भाजपा कार्यकर्ता राजकुमार धाकड़ ने बताया कि क्षेत्र में चंबल परियोजना के तहत पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मांग को लेकर जामोली निवासी रामसिंह राणावत धरने पर बैठे हैं।

धरने पर बैठे रामसिंह राणावत ने बताया कि गांव में फ्लोराइड युक्त पानी की मात्रा अधिक होने से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जामोली गांव को सप्ताह में कम से कम दो बार चंबल का पेयजल उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना है कि जब तक गांव को सात दिन में दो बार चंबल का पानी देने की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक चंबल परियोजना से जुड़े अधिकारियों की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है।

धरना स्थल पर भूपेंद्र सिंह राणावत, पप्पू दरोगा, मुकेश कीर, अरविंद राठौड़, भोलू गुर्जर, देवेंद्र सिंह, नरेश शर्मा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला प्रशासन के युवा संबल मेले में रोजगार, कौशल विकास और स्वरोजगार का संगम

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाडा ।

जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय युवा संबल मेले का आयोजन ग्रामीण हाट बाजार में किया गया। युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों से लाभान्वित करने के उद्देश्य से मेले में कुल 28 निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा स्टाल लगाई गई। मेले में लगभग 800 आशार्थियों ने भाग लिया एवं नियोजकों द्वारा 472 युवाओं का प्राथमिक चयन कर रोजगार के अवसर प्रदान किये गये।

शिविर में राजकीय स्व-रोजगार योजनाओं एवं प्रशिक्षुता व कौशल विकास के अवसरों में समन्वय कर इनकी 12 विभागीय स्टाल लगाई गई। मेलें में विभिन्न राजकीय स्वरोजगार योजनाओं के 30 लाभान्वितों को लगभग 1 करोड़ रू के चैक राशि/स्वीकृतियाँ जारी की गई है। आरएसएलडीसी द्वारा कौशल विकास योजना समर्थ योजना के 15 लाभार्थियों को प्रशिक्षण उपरान्त प्रमाण पत्र दिये गये।

जिला रोजगार कार्यालय के उप निदेशक मुकेश गुर्जर ने बताया कि शिविर में प्रमुख निजी नियोजक नितिन स्पिनर्स, संगम इण्डिया, कंचन इण्डिया, कनेरिया एनर्जी, यश कम्प्यूनिकेशन एवं एल एण्ड टी अहमदाबाद जैसे प्रमुख नियाजको द्वारा स्टाल लगाई गई। युवा संबल मेले में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रकाश चन्द्र रेगर द्वारा लाभार्थियों को चैक राशि एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।